



# हिमाचल प्रदेश

पुलिस कांस्टेबल

हिमाचल प्रदेश पुलिस भर्ती बोर्ड

भाग - 3

गणित, तार्किक योग्यता, कंप्यूटर, एवं हिमाचल प्रदेश का सामान्य ज्ञान



# विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	संख्या पद्धति	1
2	सरलीकरण	8
3	लघुत्तम समापवर्त्य व महत्तम समापवर्तक	12
4	प्रतिशतता	15
5	लाभ – हानि	19
6	अनुपात व समानुपात	24
7	औसत	28
8	समय और कार्य	32
9	चाल, समय और दूरी	35
10	नाव और धारा	39
11	साधारण ब्याज	41
12	चक्रवृद्धि ब्याज	44
13	क्षेत्रमिति	47
14	सांख्यिकी (केंद्रीय प्रवृत्ति के माप)	62
15	अंग्रेजी वर्णमाला परीक्षण	68
16	श्रृंखला	73
17	कूट भाषा परीक्षण	77
18	सादृश्यता	81
19	वर्गीकरण	85
20	दिशा और दूरी	88
21	रक्त संबंध	93
22	क्रम और रैंकिंग	100
23	कैलेंडर	104

# विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
24	घडी	107
25	पासा	111
26	गणितीय संक्रियाएँ	114
27	कंप्यूटर	116
28	हिमाचल प्रदेश का सामान्य परिचय	143
29	हिमाचल प्रदेश का भौगोलिक विश्लेषण	146
30	हिमाचल प्रदेश की कृषि	158
31	हिमाचल प्रदेश के प्राकृतिक संसाधन	161
32	हिमाचल प्रदेश के प्रमुख उद्योग	171
33	हिमाचल प्रदेश में परिवहन	176
34	हिमाचल प्रदेश की जनगणना	178
35	हिमाचल प्रदेश के पर्यटन स्थल	180
36	हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध व्यक्तित्व	190
37	हिमाचल प्रदेश में खेल और पुरस्कार	192
38	हिमाचल प्रदेश की कला और संस्कृति	195
39	हिमाचल प्रदेश का प्राचीन इतिहास	214
40	हिमाचल प्रदेश का मध्यकालीन इतिहास	218
41	हिमाचल प्रदेश के प्रमुख आन्दोलन	224
42	हिमाचल प्रदेश के प्रशिद्ध सत्याग्रह	227
43	हिमाचल प्रदेश का पुनर्गठन	233
44	हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल	234
45	हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री	236
46	हिमाचल प्रदेश की विधानसभा	238

# विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
47	हिमाचल प्रदेश में उच्च न्यायालय	240
48	स्थानीय स्व –शासन पंचायती राज	241
49	स्थानीय स्वशासन नगर पालिका	244
50	संवैधानिक निकाय	248
51	गैर संवैधानिक निकाय	252

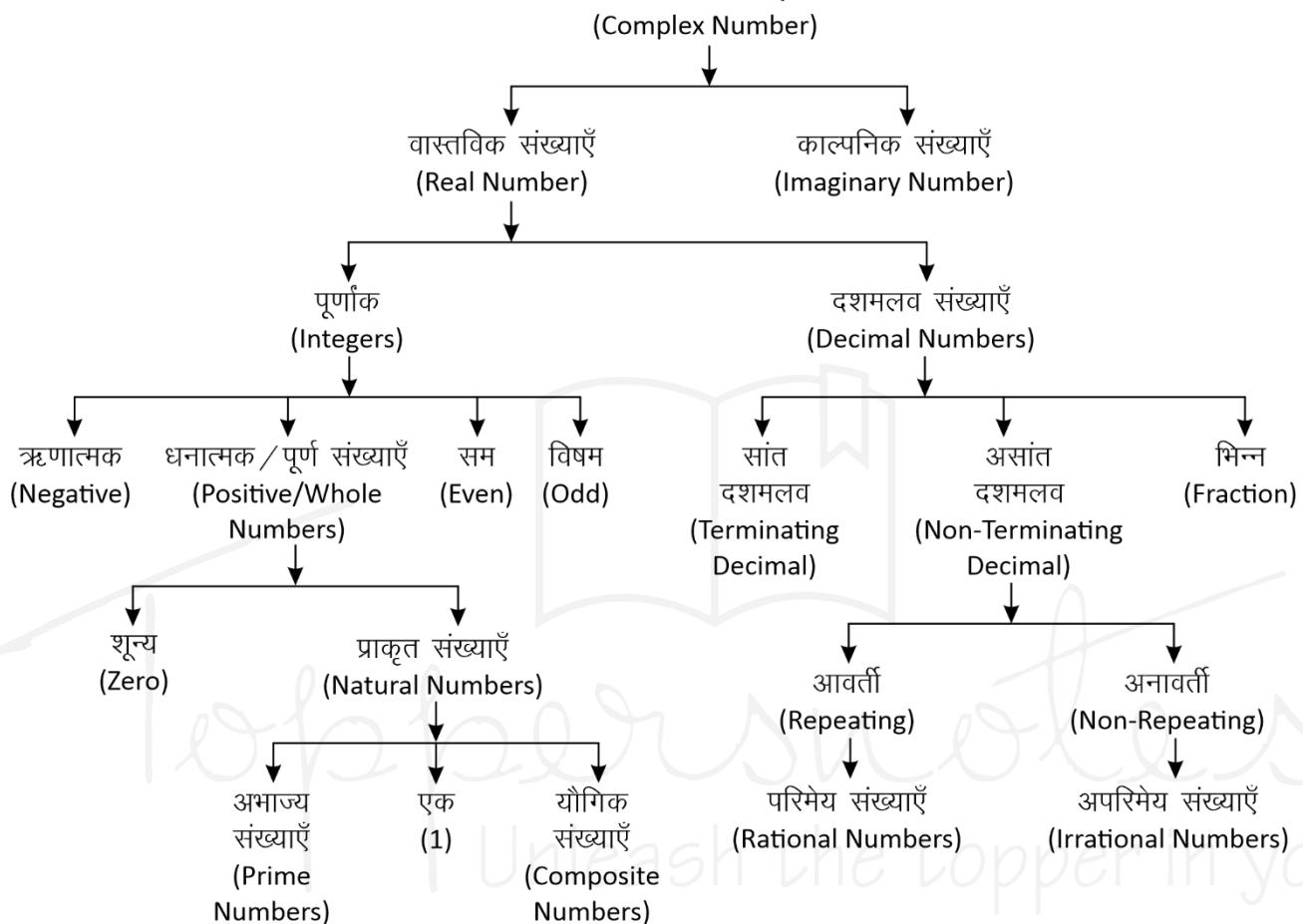
# 1 CHAPTER

# संख्या पद्धति (Number System)



**संख्या पद्धति** :— किसी भी यौगिक राशि के परिणामों का बोध कराने के लिए जिस पद्धति का उपयोग होता है, संख्या पद्धति कहलाती है।

संख्याओं को उनके गुणों और विशेषताओं के आधार पर निम्न प्रकार से वर्गीकृत किया जा सकता है —  
सम्मिश्र संख्याएँ



## सम्मिश्र संख्याएँ (Complex Number)

वे सभी संख्याएँ जो वास्तविक और काल्पनिक संख्याओं से मिलकर बनी होती हैं।

इन्हें  $(a + ib)$  के रूप में लिखा जाता है। जहाँ  $a$  और  $b$  वास्तविक संख्याएँ हैं तथा  $i = \sqrt{-1}$  है।

$$Z = a \text{ (वास्तविक संख्या)} + ib \text{ (काल्पनिक संख्या)}$$

**I. वास्तविक संख्याएँ (Real Numbers):** परिमेय एवं अपरिमेय संख्याओं को सम्मिलित रूप से वास्तविक संख्या कहते हैं। इन्हें संख्या रेखा पर प्रदर्शित किया जा सकता है।

**II. पूर्णांक संख्याएँ :** संख्याओं का ऐसा समुच्चय जिसमें पूर्ण संख्याओं के साथ-साथ ऋणात्मक संख्याएँ भी सम्मिलित हो, पूर्णांक संख्याएँ कहलाती हैं, इसे । से सूचित करते हैं।

$$I = \{-4, -3, -2, -1, 0, 1, 2, 3, 4, \dots\}$$

**(i) धनात्मक / पूर्ण संख्याएँ :** जब प्राकृत संख्याओं के परिवार में 0 को भी शामिल कर लेते हैं, तब वह पूर्ण संख्याएँ कहलाती है।

$$W = \{0, 1, 2, 3, 4, 5, \dots\}$$

**नोट :** चार लगातार प्राकृतिक संख्याओं का गुणनफल हमेशा 24 से पूर्णतः विभाज्य होता है।

**A. प्राकृत संख्याएँ :** जिन संख्याओं का इस्तेमाल वस्तुओं को गिनने के लिए किया जाता है, प्राकृत संख्या कहते हैं।

$$N = \{1, 2, 3, 4, 5, \dots\}$$

प्रथम  $n$  प्राकृतिक संख्याओं का योग =  $\frac{n(n+1)}{2}$

प्रथम  $n$  प्राकृतिक संख्याओं के वर्गों का योग =  $\frac{n(n+1)(2n+1)}{6}$

प्रथम  $n$  प्राकृतिक संख्याओं के घनों का योग =  

$$\left[ \frac{n(n+1)}{2} \right]^2$$

दो लगातार प्राकृतिक संख्याओं के वर्गों का अंतर उनके योगफल के बराबर होता है।

**उदाहरण –**

$$11^2 = 121$$

$$12^2 = 144$$

$$11 + 12 \rightarrow 23 \quad \text{Difference } 144 - 121 = 23$$

**(a) अभाज्य संख्याएँ (Prime Numbers) :-** एक संख्या जिसके केवल दो ही गुणक होते हैं, 1 और वह संख्या स्वयं, उन्हें अभाज्य संख्या कहते हैं।

जैसे – {2, 3, 5, 7, 11, 13, 17, 19.....}

- तीन अंकों की सबसे छोटी अभाज्य संख्या = 101

- तीन अंकों की सबसे बड़ी अभाज्य संख्या = 997

जहाँ 1 Prime Number नहीं है।

2 एकमात्र सम Prime संख्या है।

3, 5, 7 क्रमागत विषम अभाज्य संख्या का इकलौता जोड़ है।

1 से 25 तक कुल अभाज्य संख्या = 9

25 से 50 तक कुल अभाज्य संख्या = 6

1-50 तक कुल 15 Prime Number है।

51-100 तक कुल 10 Prime Number है।

अतः 1-100 तक कुल 25 Prime Number है।

1 से 200 तक कुल अभाज्य संख्या = 46

1 से 300 तक कुल अभाज्य संख्या = 62

1 से 400 तक कुल अभाज्य संख्या = 78

1 से 500 तक कुल अभाज्य संख्या = 95

**☞ अभाज्य संख्याओं का परीक्षण :-** दी गयी संख्या के संभावित वर्गमूल से बड़ी कोई संख्या लीजिए। माना यह संख्या  $x$  है, अब  $x$  से छोटी समस्त अभाज्य संख्याओं की सहायता से दी गयी संख्या की विभाज्यता का परीक्षण कीजिए।

- यदि यह इनमें से किसी से भी विभाज्य नहीं है तो यह निश्चित रूप से एक अभाज्य संख्या होगी।

**उदाहरण –**

क्या 349 एक अभाज्य संख्या है या नहीं ?

**हल –**

349 का संभावित वर्गमूल 19 होगा और 19 से छोटी सभी अभाज्य संख्याएँ : 2, 3, 5, 7, 11, 13, 17 हैं।

स्पष्ट है कि 349 इन सभी अभाज्य संख्याओं से विभाज्य नहीं है अतः 349 भी एक अभाज्य संख्या है।

**सह अभाज्य संख्याएँ (Co-prime Numbers)** – वह संख्याएँ जिनका HCF सिर्फ 1 हो।

**उदाहरण – (4,9), (15, 22), (39, 40)**

$$\text{HCF} = 1$$

**(b) यौगिक संख्याएँ (Composite Numbers) :-** वे प्राकृत संख्याएँ जो 1 या स्वयं को छोड़कर किसी अन्य संख्या से भी विभाज्य हो, यौगिक संख्याएँ कहलाती है।  
जैसे – 4, 6, 8, 9, 10 आदि।

**(ii) सम संख्याएँ :** संख्याएँ जो 2 से पूर्णतः विभाज्य हो सम संख्या कहलाती है।

$$n \text{ वां पद} = 2n$$

$$\text{प्रथम } n \text{ सम संख्याओं का योग} = n(n+1)$$

$$\text{प्रथम } n \text{ सम संख्याओं के वर्गों का योग} = \frac{2n(n+1)(2n+1)}{3}$$

$$\left\{ n = \frac{\text{अंतिम पद}}{2} \right\}$$

**(iii) विषम संख्याएँ :** वह संख्याएँ जो 2 से विभाजित न हो, विषम संख्याएँ होती हैं।

$$\text{प्रथम } n \text{ विषम संख्याओं का योग} = n^2$$

$$\left\{ n = \frac{\text{अंतिम पद} + 1}{2} \right\}$$

## II. दशमलव

दशमलव वे संख्याएँ हैं जो दो पूर्ण संख्याओं या पूर्णांकों के बीच आती हैं। जैसे – 3.5 एक दशमलव संख्या है जो 3 व 4 के बीच स्थित है।

- प्रत्येक दशमलव संख्या को भिन्न के रूप में लिखा जा सकता है और इसके विपरीत प्रत्येक भिन्न को भी दशमलव रूप में लिखा जा सकता है।

### (i) सांत दशमलव

वह संख्याएँ जो दशमलव के बाद कुछ अंकों के बाद खत्म हो जाये जैसे – 0.25, 0.15, 0.375 इसे भिन्न संख्या में लिखा जा सकता है।

### (ii) असांत दशमलव

जो संख्याएँ दशमलव के बाद कभी खत्म नहीं होती बल्कि पुनरावृत्ति करती हो, अनंत तक।

जैसे – 0.3333, 0.7777, 0.183183183.....

ये दो प्रकार के हो सकते हैं –

#### A. आवर्ती दशमलव भिन्न (Repeating)

वह दशमलव भिन्न दशमलव बिंदु के बाद एक या अधिक अंकों की पुनरावृत्ति होती है।

$$\text{जैसे} - \frac{1}{3} = 0.333..., \frac{22}{7} = 3.14285714....$$

- ऐसी भिन्नों को व्यक्त करने के लिए दोहराए जाने वाले अंक के ऊपर एक रेखा खींच देते हैं।

$0.333\dots = 0.\overline{3}$ $\frac{22}{7} = 3.14285714\dots = 3.14\overline{2857}$	<span style="margin-left: 100px;">इसे बार बोलते हैं।</span>
<ul style="list-style-type: none"> <li>शुद्ध आवर्ती दशमलव भिन्न को निम्न प्रकार से साधारण भिन्न में बदले –</li> </ul>	$0.\overline{P} = \frac{P}{9}$ $0.\overline{pq} = \frac{pq}{99}$ $0.\overline{pqr} = \frac{pqr}{999}$
<ul style="list-style-type: none"> <li>मिश्रित आवर्ती दशमलव भिन्न को निम्न प्रकार से साधारण भिन्न में बदले –</li> </ul>	$0.p\overline{q} = \frac{pq - p}{90}$ $0.p\overline{q}\overline{r} = \frac{pqr - pq}{900}$ $0.p\overline{qr} = \frac{pqr - p}{990}$ $0.p\overline{qrs} = \frac{pqrs - pq}{9900}$

उदाहरण –

$$(i) 0.\overline{39} = \frac{39}{99} = \frac{13}{33}$$

$$(ii) 0.\overline{625} = \frac{625 - 6}{990} = \frac{619}{990}$$

$$(iii) 0.\overline{3524} = \frac{3524 - 35}{9900} = \frac{3489}{9900} = \frac{1163}{3300}$$

- परिमेय (Rational) संख्याएँ – वह संख्याएँ जिन्हें P/Q form में लिखा जा सकता है, लेकिन Q जहाँ शून्य नहीं होना चाहिए, P व Q पूर्णांक होने चाहिए।

भिन्नों के प्रकार

<p>उदाहरण –</p> $\frac{2}{3}, \frac{4}{5}, \frac{10}{-11}, \frac{7}{8}$
<p><b>B. अनावर्ती (Non-Repeating)</b> जो संख्याएँ दशमलव के बाद कभी खत्म नहीं होती पर ये अपनी संख्याओं की निश्चित पुनरावृत्ति (Repeat) नहीं करती। जैसे – <math>\pi = 3.1415926535897932\dots</math> <math>\sqrt{2} = 1.41421356237\dots</math></p>
<p><b>• अपरिमेय (Irrational) संख्याएँ</b> – इन्हें P/Q form में प्रदर्शित नहीं किया जा सकता। उदाहरण – <math>\sqrt{2}, \sqrt{3}, \sqrt{11}, \sqrt{19}, \sqrt{26}\dots</math></p>

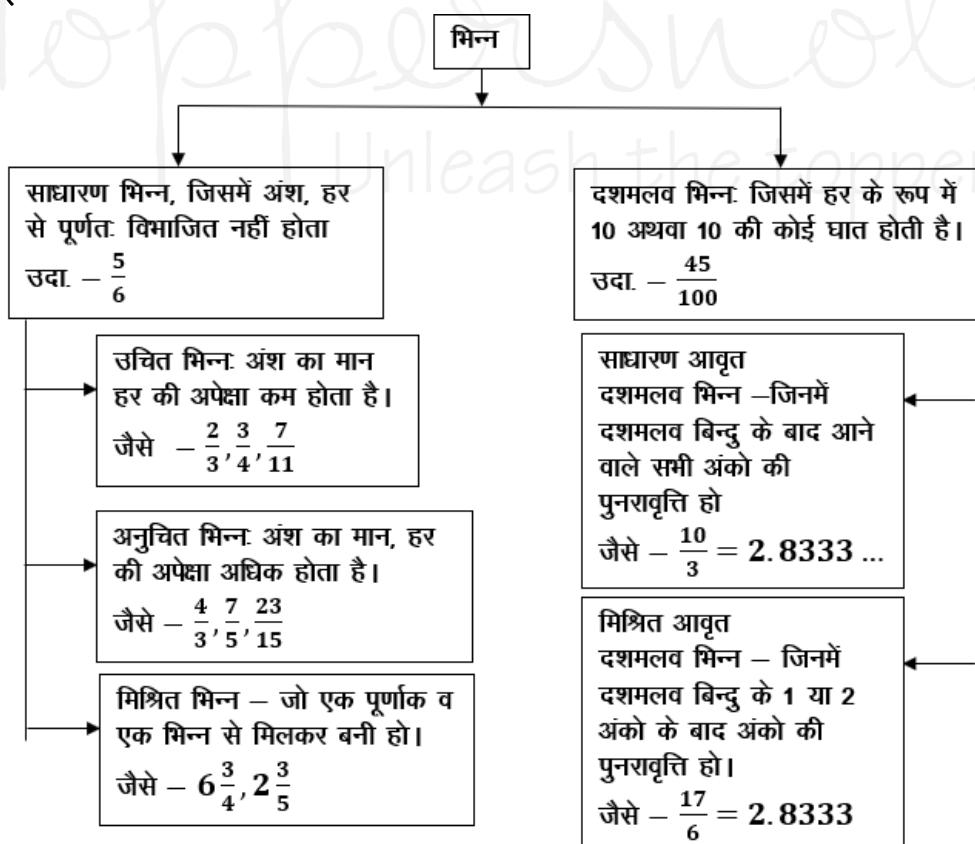
**भिन्न (Fraction) :-** भिन्न एक ऐसी संख्या है जो किसी सम्पूर्ण चीज का कोई भाग निरूपित करती है।

जैसे एक सेब के चार भाग किये जाते हैं, उसमें से एक हिस्सा निकाल दिया गया तो उसे  $\frac{1}{4}$  के रूप में प्रदर्शित किया जाता है।

भिन्न दो भागों में बंटा होता है – अंश व हर  
प्रदर्शित किया जायेगा।

भिन्न दो भागों में बंटा होता है – अंश व हर

माना कोई भिन्न =  $\frac{p}{q}$  → अंश  
q → हर





$n$  विषम होने पर भाजक  $\rightarrow (a-b)$

$n$  सम होने पर भाजक  $\rightarrow (a-b)$  या  $(a+b)$  या दोनों।

(i)  $a^n \div (a-1)$  हो, तो शेषफल हमेशा 1 बचेगा।

(ii)  $a^n \div (a+1)$   $\begin{cases} \text{यदि } n \text{ सम हो, तो हमेशा 1 बचेगा} \\ \text{यदि } n \text{ विषम हो, तो शेषफल } a \text{ होगा} \end{cases}$

(iii)  $(a^n + a) \div (a-1)$  हो, तो शेषफल 2 बचेगा

(iv)  $(a^n + a) \div (a+1)$   $\begin{cases} \text{यदि } n \text{ सम हो, तो शेषफल शून्य (0) होगा।} \\ \text{यदि } n \text{ विषम हो, तो शेषफल } (a-1) \text{ होगा।} \end{cases}$

### रोमन पद्धति के संकेतक

1	$\rightarrow$	I	20	$\rightarrow$	XX
2	$\rightarrow$	II	30	$\rightarrow$	XXX
3	$\rightarrow$	III	40	$\rightarrow$	XL
4	$\rightarrow$	IV	50	$\rightarrow$	L
5	$\rightarrow$	V	100	$\rightarrow$	C
6	$\rightarrow$	VI	500	$\rightarrow$	D
7	$\rightarrow$	VII	1000	$\rightarrow$	M
8	$\rightarrow$	VIII			
9	$\rightarrow$	IX			
10	$\rightarrow$	X			

### विभाज्यता के नियम

संख्या	नियम
2 से	अन्तिम अंक सम संख्या या शून्य (0) हो जैसे – 236, 150, 1000004
3 से	किसी संख्या में अंकों का योग 3 से विभाजित होगा तो पूर्ण संख्या 3 से विभाजित होगी। जैसे – 729, 12342, 5631
4 से	अन्तिम दो अंक शून्य हो या 4 से विभाजित हो जैसे – 1024, 58764, 567800
5 से	अन्तिम अंक शून्य या 5 हो जैसे – 3125, 625, 1250
6 से	कोई संख्या अगर 2 तथा 3 दोनों से विभाजित हो तो वह 6 से भी विभाजित होगी। जैसे – 3060, 42462, 10242
7 से	यदि दी गयी संख्या के इकाई अंक का दुगुना बाकी संख्या (इकाई का अंक छोड़कर) से घटाने पर प्राप्त संख्या 7 से विभाजित है तो पूरी संख्या 7 से विभाजित हो जाएगी। अथवा किसी संख्या में अंकों की संख्या 6 के गुणज में हो तो संख्या 7 से विभाजित होगी। जैसे – 222222, 4444444444, 7854
8 से	यदि किसी संख्या के अन्तिम तीन अंक 8 से विभाज्य हो या अंतिम तीन अंक '000' (शून्य) हो । जैसे – 9872, 347000
9 से	किसी संख्या के अंकों का योग अगर 9 से विभाज्य हो तो पूर्ण संख्या 9 से विभक्त होगी।
10 से	अंतिम अंक शून्य (0) हो तो
11 से	विषम स्थानों पर अंकों का योग व सम स्थानों पर अंकों के योग का अन्तर शून्य (0) या 11 का गुणज हो तो जैसे – 1331, 5643, 8172659
12 से	3 व 4 के विभाज्य का संयुक्त रूप
13 से	किसी संख्या में एक ही अंक 6 बार दोहराए या अन्तिम अंक को 4 से गुणा करके शेष संख्या (इकाई अंक छोड़कर) में जोड़ने पर प्राप्त संख्या 13 से विभाजित हो तो पूर्ण संख्या 13 से विभाजित होगी। जैसे – 222222, 17784

अभ्यास प्रश्न

## संख्याओं के योग, अंतर तथा गुणनफल पर<sup>1</sup> आधारित






सम. विषम तथा अभाज्य संख्याओं पर आधारित






उदा.2 तीन अभाज्य संख्याओं का योग 100 है यदि उनमें से एक संख्या दूसरी संख्या से 36 अधिक हो तो एक संख्या क्या होगा ?

## भाग, भागफल तथा शेषफल पर आधारित






## इकाई अंक निकालना आधारित





# अंग्रेजी वर्णमाला परीक्षण (English Alphabet Test)



अंग्रेजी वर्णमाला परीक्षण अंग्रेजी अक्षरों या वर्णमाला के एक निश्चित प्रारूप में व्यवस्थित होने पर आधारित है। इस परीक्षण के अन्तर्गत चुने गए अक्षरों द्वारा शब्दों की रचना, अक्षरों के युग्म और दो अक्षरों के मध्य अक्षर ज्ञात करना इत्यादि पर आधारित प्रश्न हल होते हैं।

## प्रज्ञों के प्रकार

- वर्ण परीक्षण पर आधारित प्रश्न
- अक्षर-युग्म पर आधारित प्रश्न
- शब्द निर्माण तथा अक्षर व्यवस्थिकरण
- अक्षर समूहों पर आधारित प्रश्न
- नियम-निर्देश पर आधारित प्रश्न

## अंग्रेजी वर्णमाला से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

### 1. अंग्रेजी वर्णमाला के बड़े/छोटे अक्षर—

बड़े अक्षर A B C D E F G H I J K L M  
छोटे अक्षर a b c d e f g h i j k l m  
बड़े अक्षर N O P Q R S T U V W X Y Z  
छोटे अक्षर n o p q r s t u v w x y z

### 2. अंग्रेजी वर्णमाला के स्वर और व्यंजन—

- (i) स्वर — अंग्रेजी वर्णमाला में 5 स्वर होते हैं, जो निम्न हैं —

A, E, I, O, U

- (ii) व्यंजन — अंग्रेजी वर्णमाला में 21 व्यंजन होते हैं, जो निम्न हैं —

B, C, D, F, G, H, J, K, L, M, N, P, Q, R, S, T, V, W, X, Y, Z

### 3. अंग्रेजी वर्णमाला में अक्षरों का स्थान व अद्वार्ष—

वर्णमाला के प्रथम 13 तथा अंतिम 13 अक्षरों को क्रमशः प्रथम व द्वितीय अद्वार्ष कहते हैं। यह स्थान दो क्रमों पर निर्भर करता है।

- (i) सीधे क्रम का प्रथम व द्वितीय अद्वार्ष — इस क्रम में A से M तक अक्षरों को प्रथम अद्वार्ष तथा N से Z तक के अक्षरों को द्वितीय अद्वार्ष कहते हैं।

### बाएँ से दाएँ

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K	L	M
← प्रथम अद्वार्ष →												
Z	Y	X	W	V	U	T	S	R	Q	P	O	N
14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26
← द्वितीय अद्वार्ष →												

### (ii) विपरीत क्रम का प्रथम व द्वितीय अद्वार्ष —

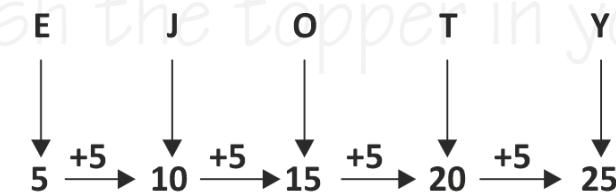
इस क्रम में Z से N तक के अक्षरों को प्रथम अद्वार्ष तथा M से A तक के अक्षरों को द्वितीय अद्वार्ष कहते हैं।

### बाएँ से दाएँ

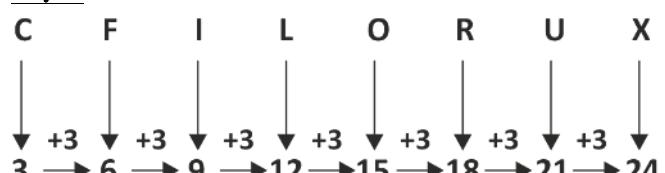
Z	Y	X	W	V	U	T	S	R	Q	P	O	N
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
← प्रथम अद्वार्ष →												
M	L	K	J	I	H	G	F	E	D	C	B	A
14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26
← द्वितीय अद्वार्ष →												

4. EJOTY व CFIORUX द्वारा अक्षरों का स्थान क्रम ज्ञात करना—

### बाएँ से



### बाएँ से



5. विपरीत अक्षर — अंग्रेजी वर्णमाला में प्रत्येक अक्षर का एक विपरीत अक्षर होता है।

- (1) A  $\longleftrightarrow$  Z (26) = 27  
 (2) B  $\longleftrightarrow$  Y (25) = 27  
 (3) C  $\longleftrightarrow$  X (24) = 27  
 (4) D  $\longleftrightarrow$  W (23) = 27  
 (5) E  $\longleftrightarrow$  V (22) = 27  
 (6) F  $\longleftrightarrow$  U (21) = 27  
 (7) G  $\longleftrightarrow$  T (20) = 27  
 (8) H  $\longleftrightarrow$  S (19) = 27  
 (9) I  $\longleftrightarrow$  R (18) = 27  
 (10) J  $\longleftrightarrow$  Q (17) = 27  
 (11) K  $\longleftrightarrow$  P (16) = 27  
 (12) L  $\longleftrightarrow$  O (15) = 27  
 (13) M  $\longleftrightarrow$  N (14) = 27

अंग्रेजी वर्णमाला के जिस अक्षर का विपरीत अक्षर ज्ञात करना हो तो उस अक्षर की संगत संख्या को 27 में से घटा देते हैं। घटाने के बाद जो संख्या प्राप्त होती है, वही विपरीत अक्षर की संगत संख्या होती है।

**6. अक्षरों के बाएँ तथा दाएँ ओर का अक्षर ज्ञात करना –**  
 जिस ओर हमारा दायाँ होता है, उसी ओर अक्षरों का भी दायाँ होता है और जिस ओर हमारा बायाँ होता है, उसी ओर अक्षरों का भी बायाँ होता है।

जैसे –



### प्रश्नों के प्रकार



### प्रकार – 1 वर्ण परीक्षण पर आधारित प्रेष्ठ

#### सीधे क्रम में अक्षरों का स्थान –

#### उदाहरण – 1

वर्णमाला A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z में बाएँ से सोलहवें अक्षर के दाहिने से छठा अक्षर कौनसा है ?

- (A) F (B) Q  
 (C) U (D) V

उत्तर (D)

#### विपरीत क्रम में अक्षरों का स्थान –

#### उदाहरण – 2

यदि अंग्रेजी वर्णमाला को विपरीत क्रम में लिखा जाए, तो दाएँ से तीसरे अक्षर के बाई ओर 13 वाँ अक्षर कौनसा होगा ?

- (A) C (B) P  
 (C) R (D) L

उत्तर – (B)

#### प्रथम अद्वाश के विपरीत क्रम में अक्षरों का स्थान –

इसके अन्तर्गत अंग्रेजी वर्णमाला के आरंभ के आधे अक्षरों अर्थात् A से M तक के अक्षरों को विपरीत क्रम में तथा शेष आधे अक्षरों को ज्यों का त्यों लिखा जाता है।

#### उदाहरण – 3

यदि अंग्रेजी वर्णमाला के प्रथम अद्वाश को विपरीत क्रम में लिखा जाए तो आपके दायीं ओर से 10 वें अक्षर के बायीं ओर 7 वाँ अक्षर कौनसा होगा ?

- (A) C (B) E  
 (C) D (D) J

उत्तर – (C)

#### अनेक अक्षर खण्डों के विपरीत क्रम में अक्षरों का स्थान –

#### उदाहरण – 4

यदि अंग्रेजी वर्णमाला के प्रथम 4 अक्षरों को विपरीत क्रम में लिखा जाए, पुनः 5 अक्षरों को भी विपरीत क्रम में, पुनः 6 अक्षरों को भी विपरीत क्रम में पुनः 7 अक्षरों को भी विपरीत क्रम में तथा शेष अक्षरों को भी विपरीत क्रम में लिखा जाए, तो दाएँ से 8 वें अक्षर के बाएँ 7 वाँ अक्षर कौनसा होगा ?

- (A) O (B) L  
 (C) N (D) M  
 उत्तर – (D)

#### दो अक्षरों के मध्य में अक्षरों की संख्या –

#### उदाहरण – 5

अंग्रेजी वर्णमाला में बाएँ से 8 वें तथा दाएँ से 7 वें अक्षर के मध्य में कितने अक्षर हैं ?

- (A) 8 (B) 9  
 (C) 10 (D) 11  
 उत्तर – (D)

### वर्णक्रमानुसार व्यवस्थित करने पर अक्षरों की समान स्थिति—

#### उदाहरण — 6

यदि शब्द CADMP में प्रत्येक अक्षर को वर्णमाला के क्रमानुसार व्यवस्थित किया जाए तो कितने अक्षरों के स्थान अपरिवर्तित रहेंगे।

- |            |         |
|------------|---------|
| (A) एक     | (B) दो  |
| (C) तीन    | (D) चार |
| उत्तर— (C) |         |

### **प्रकार — 2 अक्षर—युग्म पर आधारित प्रश्न**

यदि किसी शब्द के दो अक्षरों के मध्य उतने ही अक्षर विद्यमान हो, जितने की अंग्रेजी वर्णमाला में उन दोनों के मध्य होते हैं।

#### उदाहरण — 7

दिए गए शब्द EXECUTION में अक्षरों के ऐसे कितने जोड़े हैं, जिनके बीच शब्द में उतने ही अक्षर हैं, जितने अंग्रेजी वर्णमाला में उनके बीच होते हैं ?

- |            |               |
|------------|---------------|
| (A) 1      | (B) 2         |
| (C) 3      | (D) 3 से अधिक |
| उत्तर— (D) |               |

### **प्रकार — 3 शब्द निर्माण तथा अक्षर व्यवस्थिकरण**

#### अर्थपूर्ण शब्द के अक्षरों को बदलना—

#### उदाहरण — 8

यदि COMMUNICATIONS में पहले और दूसरे, तीसरे और चौथे, पाँचवे और छठे तथा इसी प्रकार अन्य अक्षरों को परस्पर बदल दिया जाए, तो अपने दाँए से गणना करने पर 10 वाँ अक्षर कौनसा होगा ?

- |            |       |
|------------|-------|
| (A) T      | (B) N |
| (C) U      | (D) A |
| उत्तर— (B) |       |

#### अर्थपूर्ण शब्द के चुने हुए/क्रमागत अक्षरों से अर्थपूर्ण शब्द बनाना—

#### उदाहरण — 9

यदि शब्द SHARE HOLDING के पहले, तीसरे, पाँचवें और आठवें अक्षरों से कोई एक सार्थक शब्द बन सकता है तो उसका दूसरा अक्षर क्या होगा ? यदि ऐसा कोई शब्द बनना संभव न हो, तो उत्तर 'X' दीजिए और यदि एक से अधिक शब्द बनने संभव हो, तो उत्तर 'Y' दीजिए।

- |       |       |
|-------|-------|
| (A) L | (B) E |
|-------|-------|

- |       |       |
|-------|-------|
| (C) X | (D) Y |
|-------|-------|

उत्तर— (D)

#### उदाहरण — 10

DIALOGUE शब्द के वर्णों से चार या अधिक वर्ण वाले कितने सार्थक शब्द बनाए जा सकते हैं ?

- |       |       |
|-------|-------|
| (A) 5 | (B) 7 |
| (C) 9 | (D) 8 |

उत्तर— (C)

### **दिए गए अक्षरों को व्यवस्थित कर अर्थपूर्ण शब्द बनाना**

#### उदाहरण — 11

नीचे दिए गए विभिन्न अक्षरों की संख्याओं को इस प्रकार व्यवस्थित कीजिए, जिससे कि एक अर्थपूर्ण शब्द बन जाए —

G	T	A	E	N	M
1	2	3	4	5	6

- |                       |                      |
|-----------------------|----------------------|
| (A) 1, 3 , 2, 6, 4, 5 | (B) 6, 3, 5, 1, 4, 2 |
| (C) 1, 3, 2, 5, 4, 6  | (D) 6, 3, 1, 5, 4, 2 |

उत्तर— (D)

### **प्रकार — 4 अक्षर समूहों पर आधारित प्रश्न**

इसके अन्तर्गत पूछे जाने वाले प्रश्नों में तीन या चार अक्षरों के कुछ समूह दिए जाते हैं। प्रश्न में दिए गए निर्देशों के अनुसार इन अक्षर समूहों को व्यवस्थित कर उत्तर ज्ञात करना होता है।

#### उदाहरण — 12

यदि दिए गए सभी शब्दों में उनसे पहले अक्षर S लगा दिया जाए तो नई व्यवस्था में कितने शब्दों से अंग्रेजी के अर्थपूर्ण शब्द बनेंगे ?

SHE, OLD, ANT, TIN, JUG

- |              |                 |
|--------------|-----------------|
| (A) केवल SHE | (B) ANT तथा JUG |
| (C) केवल OLD | (D) TIN तथा JUG |

उत्तर— (C)

### **प्रकार – 5 नियम–निर्देष पर आधारित**

इस प्रकार के प्रश्नों में अंग्रेजी अक्षरों से संबंधित एक नियम दिया गया होता है। इन नियमों का पालन करते हुए यह देखना होता है कि कौनसे विकल्प में दिया गया अक्षर समूह नियम का पालन कर रहा है।

### **उदाहरण – 13**

क्रमशः दो अक्षरों के बीच में वर्णमालानुसार एक अक्षर छूटा हुआ है।

(A) EGIKM

(B) MOQTU

(C) MPQTU

(D) MNOPQ

उत्तर— (A)

### **उदाहरण – 14**

अंग्रेजी अक्षर, वर्णमाला के विपरीत क्रम में है।

(A) ABCDE

(B) ZYXWV

(C) KLMNO

(D) PQRST

उत्तर— (B)



## उदाहरण हल सहित






उत्तर— (D)

7. निम्न प्रश्न में एक शब्द तथा उसके बाद चार विकल्प दिए गए हैं। चार विकल्पों में से केवल एक ही विकल्प ऐसा है, जो दिए गए मूल शब्द के अक्षरों से बनाया जा सकता है। उस विकल्प को चुनिए।

VENTURE SOME



उत्तर— (C)

8. अक्षरों के एक समूह में प्रत्येक को एक संख्या नियत की गई है। उन्हें एक सार्थक क्रम में रखकर, दिए गए विकल्पों के अक्षरों में से सही क्रम का चयन कीजिए।

Y	M	L	O	S	B	C	I
1	2	3	4	5	6	7	8

- (A) 47685321      (B) 51264387  
(C) 21645387      (D) 56241387

उत्तर— (B)

9. नए शब्द बनाने के लिए निम्नलिखित प्रश्न के शब्दों के बाद में कौनसा अक्षर लगाया जा सकता है ?

STAG, ENGAG, DAMAG, SEWAG



उत्तर— (C)

10. दो आसन्न अक्षरों के बीच छोड़े गए अक्षरों की संख्या दो के गुणकों से बढ़ती है।

(A) ADIPY                          (B) JMRYG  
(C) EHNTC                          (D) HKBWF

उत्तर— (A)



- ‘कम्प्यूटर’ शब्द की उत्पत्ति ‘Compute’ शब्द से हुई जिसका अर्थ होता है ‘गणना करना’।
- अबेक्स - प्राचीन समय में गिनती सिखाने वाले यंत्र को अबेक्स कहते हैं।
- जॉन नेपियर ने लघुगणक विधि (Algorithm) का विकास किया।
- पास्कल कैल्कुलेटर पहला मशीन Calculator था जिसका आविष्कार ब्लैज पास्कल (france) गणितज्ञ ने किया।
- एनियाक (ENIAC - Electronic Numerical Integrator and computer) इसे पहला डिजिटल Computer भी कहा जाता है।
- चार्ल्स बैवेज को आधुनिक Computer का निर्माता या जनक कहते हैं।
- वर्ष 1947 में बैल लेबोरेटरी (USA) के विलियम शॉकली ने ‘ट्रांजिस्टर’ (PNP या NPN अर्द्धचालक युक्ति) का विकास किया।
- पंचम पीढ़ी में अल्ट्रा लार्ज स्केल IC (ULSIC) का प्रयोग प्रारंभ हुआ जिसमें एक छोटी चिप पर लाखों ट्रांजिस्टर के बराबर सर्किट बनाए गए।

वर्ष	विवरण
1617 AD	नेपियर बोन (Napier's Bones): यह एक मैन्युअल रूप से संचालित गणना डिवाइस था, जिसे स्कॉटिश गणितज्ञ जॉन नेपियर ने आविष्कृत किया था, जो गुणा और भाग के लिए उपयोग किया जाता था।
1642 AD	पास्कलीन (Pascaline): जिसे जोड़ने की मशीन भी कहा जाता है, इसे ब्लैज पास्कल ने आविष्कृत किया था, जो केवल जोड़ और घटाव के लिए उपयोग की जाती थी। यह घड़ी और ओडोमीटर के सिद्धांतों पर काम करती थी।
1694 AD	लाइबनिज व्हील (Leibniz Wheel): पास्कलीन का एक उन्नत संस्करण था, जिसे गॉटफ्रीड विलहेम वॉन लाइबनिज ने विकसित किया था, जो जोड़, घटाव, गुणा और भाग जैसी गणितीय क्रियाएँ कर सकता था।
1801–1805	पंच कार्ड (Punch Cards): जोसेफ जैफ़र्ड द्वारा विकसित, इसे यांत्रिक ऊन बुनाई मशीनों में उपयोग किया गया था, जो बुनाई डिजाइन स्टोर करने के लिए पंच कार्ड का उपयोग करता था।

1822 AD	डिफरेंस इंजन (Difference Engine): चार्ल्स बैवेज द्वारा विकसित, यह गियर आधारित, भाप द्वारा संचालित मशीन थी, जो गणितीय और सांख्यिकीय गणनाओं के लिए पहली त्रुटि-मुक्त डिवाइस थी।
1833 AD	एनालिटिकल इंजन (Analytical Engine): चार्ल्स बैवेज द्वारा डिफरेंस इंजन का एक उन्नत संस्करण था, जो पंच कार्डों के माध्यम से निर्देशों पर काम करता था और 50वें दशमलव स्पेन तक गणनाएँ कर सकता था।
1889–1890	होलरिथ जनगणना टैब्युलेटर (Hollerith Census Tabulator): यह पंच कार्ड आधारित जनगणना मशीन थी, जिसे हर्मन होलरिथ ने विकसित किया था, जिसने पंच कार्डों को एक कंप्यूटिंग उपकरण के रूप में पेश किया।
1939–1942	एबीसी कंप्यूटर (ABC Computer): जॉन अटानासॉफ़ और क्लिफोर्ड बेरी द्वारा विकसित, यह पहला पूरी तरह से स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल कंप्यूटर था।
1944 AD	मार्क-1 (MARK-I): होवार्ड एइकेन और आईबीएम द्वारा विकसित, यह दुनिया की पहली पूरी तरह से स्वचालित इलेक्ट्रो-मैकेनिकल कैलकुलेटिंग मशीन थी।
1946 AD	ईएनआईएसी (ENIAC): यह दुनिया का पहला पूरी तरह से इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर था, जिसे पैसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की टीम ने विकसित किया था।
1947 AD	ईडीवीएसी (EDVAC): जॉन वॉन न्यूमैन द्वारा विकसित, यह पहला स्टोर्ड-प्रोग्राम डिजिटल कंप्यूटर था, जो डेटा और निर्देशों को बाइनरी रूप में स्टोर कर सकता था।
1949 AD	ईडीएसएसी (EDSAC): प्रोफेसर मौरिस विल्स द्वारा कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में विकसित, यह पहला स्टोर्ड-प्रोग्राम डिजिटल कंप्यूटर था।
1951 AD	यूनीवैक (UNIVAC): जनरल इलेक्ट्रिक कॉर्पोरेशन द्वारा विकसित, यह पहला व्यावसायिक कंप्यूटर था, जो व्यापार और सामान्य-उद्देश्य अनुप्रयोगों के लिए उपयोग किया जाता था।

### Know The Person :

- लेडी अदा ऑगस्टा:** उन्होंने एनालिटिकल इंजन को प्रोग्राम करने वाली पहली महिला थीं और उन्हें दुनिया की पहली प्रोग्रामर के रूप में जाना जाता है। उन्हें बाइनरी सिस्टम के आविष्कार का श्रेय भी दिया जाता है।

- जॉन वॉन न्यूमैन:** उन्हें आधुनिक कंप्यूटरों के पिता के रूप में जाना जाता है, उन्होंने स्टोर्ड-प्रोग्राम डिजाइन की अवधारणा पेश की और बाइनरी रूप में डेटा और निर्देशों को स्टोर किया।

### कंप्यूटर की पीढ़ियाँ

पीढ़ी	वर्ष	प्रोसेसिंग डिवाइस	संग्रहण डिवाइस	गति	ऑपरेटिंग सिस्टम	भाषाएँ	उदाहरण
पहली पीढ़ी	1940–1956	वैक्यूम ट्यूब (Vacuum Tubes)	मैग्नेटिक ड्रम, पंच कार्ड	मिलीसेकंड ( $10^{-3}$ सेकंड)	कोई ऑपरेटिंग सिस्टम नहीं, मैन्युअल प्रोग्रामिंग	मशीन भाषा (बाइनरी 0 और 1)	ENIAC, UNIVAC, IBM 701
दूसरी पीढ़ी	1956–1963	ट्रांजिस्टर (Transistors)	मैग्नेटिक टेप, मैग्नेटिक कोर मेमोरी	माइक्रोसेकंड ( $10^{-6}$ सेकंड)	बैच प्रोसेसिंग ऑपरेटिंग सिस्टम	असेंबली भाषा (Assembly Language)	IBM 1401, UNIVAC 1108, CDC 1604
तीसरी पीढ़ी	1964–1971	इंटीग्रेटेड सर्किट (Integrated Circuits - ICs)	सेमीकंडक्टर मेमोरी (RAM, ROM), मैग्नेटिक डिस्क	नैनोसेकंड ( $10^{-9}$ सेकंड)	टाइम-शेयरिंग, मल्टीप्रोग्रामिंग ऑपरेटिंग सिस्टम	FORTRAN, COBOL, BASIC, Pascal	IBM System/360, PDP-8, PDP-11
चौथी पीढ़ी	1971–वर्तमान	माइक्रोप्रोसेसर (Intel 4004, 8086, AMD प्रोसेसर)	हार्ड डिस्क, ऑप्टिकल डिस्क, फ्लैश मेमोरी, SSD	पिकोसेकंड ( $10^{-12}$ सेकंड)	Windows, macOS, UNIX, Linux	C, C++, Java, Python	IBM PC, Apple Macintosh, Laptops, Tablets
पाँचवीं पीढ़ी	वर्तमान और भविष्य	एआई प्रोसेसर्स, क्वांटम कंप्यूटिंग, न्यूरल नेटवर्क्स	क्लाउड स्टोरेज, एआई मेमोरी, उन्नत RAM और SSDs	फेमटोसेकंड ( $10^{-15}$ सेकंड) और उससे आगे	एआई-ड्रिवन ऑपरेटिंग सिस्टम, क्लाउड ऑपरेटिंग सिस्टम	Python, R, AI आधारित प्रोग्रामिंग, मशीन लर्निंग	IBM Watson, Google DeepMind, Quantum Computers, AI-powered robots

### कार्य पद्धति के आधार कंप्यूटर के प्रकार

प्रकार	विवरण
एनालॉग कंप्यूटर	कंप्यूटर जिनका उपयोग एनालॉग डेटा को प्रोसेस करने के लिए किया जाता है। ये गणना और प्रक्रिया नियंत्रण के लिए सबसे जटिल मशीनें हैं। ये कंप्यूटर एनालॉग डेटा को प्रोसेस करने के लिए उपयोग किए जाते हैं। ये सबसे जटिल मशीनें होती हैं जो गणना और प्रक्रिया नियंत्रण के लिए होती हैं।
डिजिटल कंप्यूटर	ये सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले कंप्यूटर हैं जो किसी भी सूचना को संसाधित करने के लिए 0 और 1 का उपयोग करते हैं। ये सबसे सामान्य कंप्यूटर होते हैं जो किसी भी जानकारी को प्रोसेस करने के लिए 0 और 1 का उपयोग करते हैं।
हाइब्रिड कंप्यूटर	ये कंप्यूटर एनालॉग (तीव्र गति सेतेजी) और डिजिटल (मेमोरीमेमोरी की सटीकता) कंप्यूटर का संयोजन होते हैं।

### आकार के आधार पर कंप्यूटर के प्रकार

श्रेणी	विवरण
पीसी (पर्सनल कंप्यूटर)	यह एक एकल कंप्यूटर प्रणाली है जिसमें मध्यम शक्तिशाली माइक्रोप्रोसेसर होता है।
वर्कस्टेशन	यह भी एकल उपयोगकर्ता कंप्यूटर प्रणाली है (पर्सनल कंप्यूटर के समान) हालांकि इसमें अधिक शक्तिशाली माइक्रोप्रोसेसर होता है।
मिनी कंप्यूटर	यह एक बहु-उपयोगकर्ता कंप्यूटर प्रणाली है, जो एक साथ सैकड़ों उपयोगकर्ताओं को सेवा समर्थन देने में सक्षम है।
मेनफ्रेम कंप्यूटर	यह एक बहु-उपयोगकर्ता कंप्यूटर प्रणाली है, जो एक साथ सैकड़ों उपयोगकर्ताओं का समर्थन करने में सक्षम है। सॉफ्टवेयर तकनीक मिनीकंप्यूटर से अलग है।
सुपर कंप्यूटर	यह एक अत्यंत तीव्र तेज कंप्यूटर है, जो प्रति सेकंड करोड़ों निर्देशों को निष्पादित कर सकता है।

- सुपर Computer की कार्य करने की क्षमता 500 मेगाप्लाय से भी अधिक होती है।
- विश्व का पहला सुपर कंप्यूटर के रिसर्च कम्पनी ने वर्ष 1976 में 'CRAY-1' बनाया था।
- इसका कार्य दिए गए डाटा को प्रोसेस करके उससे आउटपुट .प में सूचनाएँ निकालना होता है इसे CPU (Central Processing Unit) भी कहते हैं।  
Input Unit → Processing Unit → Output Unit  
(डेटा + निर्देश) Memory Unit (सूचना)
- Memory को दो भागों में बाँटा जा सकता है।
  - प्राथमिक या मुख्य मेमोरी
  - द्वितीयक या सहायक मेमीरी
- **CPU** को Computer का मस्तिष्क या हृदय (Brain or Heart) भी कहा जाता है।
- **A.L.U (Arithmetic and Logic Unit)** इस इकाई द्वारा एक Computer में होने वाली सभी अंकगणितीय तथा तार्किक गणनाएँ की जाती है।
- AND, OR, NOT इत्यादि को कुलियन Operator कहा जाता है जिनका प्रयोग Logical गणना करने के लिए किया जाता है।
- **Control Unit, A.L.U.** को गणना करने हेतु कई प्रकार के निर्देश प्रदान करती है।
- Computer में Process किए जाने वाले शब्द को Binary अंक के रूप में 0 या 1 होता है, नि.पित किया जाता है।
- Computer में Memory की सबसे छोटी इकाई Bit (बिट) होती है।
  - 1 निब्ल =4Bit
  - 1 बाइट =8 Bit
- Ascending Order (बढ़ते क्रम में) Bit < Byte <KB<MB<GB<TB<EB<ZB<YB
- Input device data को Encode करने का भी कार्य करती है जिसकी सहायता से Data को Computer में Process किया जा सकता है।
- **की - बोर्ड** एक Encoder की तरह काम करने वाली डिवाइस है जो Input किए गये Data को 0 या 1 बाइनरी अंक बदलने का कार्य करता है।
  - **Function Keys** F1 से F12 ] कुल =12
  - **टॉगल की (Toggle Key)** => की बोर्ड में (On) तथा (Off) विशेषता रखने वाले कुंजी को (Toggle Key) कहा जाता है।
  - **Num. Lock-Numeric pad** पर उपस्थित Arrow Key को प्रयोग में लेने के लिए इस कुंजी का प्रयोग किया जाता है।
  - **Caps Lock** - इस कुंजी का प्रयोग बड़े अक्षर को Input करने के लिए किया जाता है।
  - **Scroll Lock**-इस कुंजी की सहायता से Document शीट को आगे और पीछे जाने वाले विशेषतः को रोका जाता है।
- **माउस** में मुख्यतः दो या तीन बटन होते हैं जिसे दबाकर किसी कार्य को किया जाता है और इस क्रिया को क्लिक (Click) कहा जाता है।
- **टच पैड** - यह एक Pointing Device है, जिसका उपयोग माउस के स्थान पर लैपटॉप में किया जाता है।
- **जॉयस्टिक** - इस डिवाइस का प्रयोग पेंटर को अधिक तेज गति से चलाने के लिए किया जाता है।
  - इसका मुख्यतः उपयोग कंप्यूटर गेम खेलने के लिए किया जाता है।
- **लाइट पेन** - इस डिवाइस का प्रयोग डिजाइनिंग कार्यों के लिए किया जाता है। इसका उपयोग विशेषकर CAD (Computer-Aided Design) में किया जाता है।
- **ट्रैक बॉल** - इस डिवाइस का उपयोग मुख्यतः उन स्थानों पर किया जाता है जहाँ कर्सर को चलाने के लिए अधिक जगह उपलब्ध नहीं होती है।
- **स्कैनर (Scanner)** - इस डिवाइस का उपयोग एक हार्ड कॉपी को सॉफ्ट कॉपी में बदलने के लिए किया जाता है।
- **बायोमेट्रिक सेंसर** - इस डिवाइस का प्रयोग कंप्यूटर में मानव के विभिन्न जैविक अंगों के निशान को इनपुट करने के लिए किया जाता है।
- **BCR (बारकोड रीडर)** - इस डिवाइस का उपयोग किसी वस्तु पर अंकित बार कोड में संग्रहित सूचनाओं को पढ़ने के लिए किया जाता है।
- **MICR (मैग्नेटिक इंक कैरेक्टर रीडर)** - इस डिवाइस का प्रयोग बैंक में किया जाता है, इसकी सहायता से एक चेक पर चुंबकीय स्थानी से मुद्रित संख्याओं को प्रोसेस किया जा सकता है।
- **OCR (ऑप्टिकल कैरेक्टर रीडर)** - इस डिवाइस का प्रयोग एक पृष्ठ पर प्रिंटेड या हस्तालिखित अक्षरों को पढ़कर मशीन के समझने योग्य बनाने के लिए किया जाता है।
- **स्मार्ट कार्ड रीडर** - इस डिवाइस का उपयोग स्मार्ट कार्ड (क्रेडिट/डेबिट) में माइक्रोचिप या मैग्नेटिक चिप में संग्रहीत सूचनाओं को पढ़ने के लिए किया जाता है।
- Processor द्वारा प्रदान किए गए Output को उपयोगकर्ता के समझने योग्य बनाने की प्रक्रिया को डिकोड कहा जाता है।
- **VDU (Visual Display Unit)** - यह एक कंप्यूटर में सबसे प्रचलित Output Device है, जिसका प्रयोग कंप्यूटर द्वारा प्रदान किए गए डेटा को सॉफ्ट कॉपी के रूप में दर्शन के लिए किया जाता है।
- **प्लॉटर (Plotter)** - यह एक Printer की तरह कार्य करने वाला Output Device है।
- **DPI (Dots Per Inch)** - यह एक इंच लंबाई में डॉट्स की संख्या को बताता है।
- **डिजिटल कैमरा** में फोटो डायोड का प्रयोग होता है, जो प्रकाशीय सूचना को विद्युत तरंगों में बदलकर कंप्यूटर को भेजता है।

- BIOS का पूरा नाम Basic Input Output System है।
- LASER (Light Amplification by Stimulated Emission of Radiation) - यह उच्च क्षमता की प्रकाशीय बीम होती है।
- LCD (Liquid Crystal Display) - इसमें दो परतों के बीच तरल क्रिस्टल भरा होता है, जिसे वोल्टेज द्वारा प्रभावित कर डिस्प्ले प्राप्त किया जाता है।
- LED (Light Emitting Diode) - इसमें OLED (Organic Light Emitting Diode) का प्रयोग होता है, जो डिजिटल डिस्प्ले प्रदर्शित करता है।
- USB (Universal Serial Bus Port) एक बाहरी (External) पोर्ट है जो लगभग सभी पेरिफेरल डिवाइसेस को कंप्यूटर से जोड़ने में सक्षम है।
- पेन ड्राइव एक फ्लैश मेमोरी है जिसे इलेक्ट्रॉनिक मेमोरी भी कहा जाता है।

### महत्वपूर्ण कंप्यूटर डिवाइस एवं उनके जनक

डिवाइस	जनक (फादर)	विवरण
कीबोर्ड (Keyboard)	क्रिस्टोफर लैथम शोल्स (Christopher Latham Sholes)	क्रिस्टोफर लैथम शोल्स ने पहले टाइप राइटर का आविष्कार किया, जिसे बाद में कीबोर्ड के रूप में विकसित किया गया।
माउस (Mouse)	डगलस एंगलबर्ट (Douglas Engelbart)	डगलस एंगलबर्ट ने माउस का आविष्कार किया था, जो कंप्यूटर से इंटरएक्ट करने के लिए एक प्रमुख इनपुट डिवाइस है।
स्कैनर (Scanner)	रसेल आर. किर्क (Russell A. Kirsch)	रसेल किर्क ने पहले डिजिटल इमेज स्कैनर का आविष्कार किया, जो कागज की छवियों को डिजिटल रूप में बदलता है।
टचस्क्रीन (Touchscreen)	इवान सैगेल (Ivan Sutherland)	इवान सैगेल ने टचस्क्रीन तकनीक को विकसित किया, जो स्क्रीन पर सीधे टच के माध्यम से इंटरफ़ेस करता है।
मॉनिटर (Monitor)	जॉन लिसन (John L. Smith)	जॉन लिसन को मॉनिटर के पहले डिजिटल डिस्प्ले की अवधारणा को विकसित करने का श्रेय दिया जाता है।
प्रिंटर (Printer)	विलियम हैल्सी (William Halsey)	विलियम हैल्सी ने पहले इलेक्ट्रॉनिक प्रिंटर का निर्माण किया था, जो कंप्यूटर के आउटपुट को मुद्रित करता था।
स्पीकर (Speakers)	क्लिफोर्ड ए. न्यूमैन (Clifford A. Newman)	क्लिफोर्ड न्यूमैन को कंप्यूटर स्पीकर के लिए ध्वनि आउटपुट प्रणाली के विकास का श्रेय दिया जाता है।

### संख्या पद्धति :

- कंप्यूटर में प्रयोग की जाने वाली संख्या-पद्धति में निम्न चार संख्या पद्धतियों का प्रयोग किया जाता है:
  - द्विआधारी संख्या पद्धति (Binary Number System) में केवल दो अंकों, 0 और 1, का ही उपयोग किया जाता है।
  - ऑक्टल (Octal) संख्या पद्धति में 0 से लेकर 7 तक कुल 8 अंकों का उपयोग होता है।
  - दशमलव (Decimal) संख्या पद्धति में 0, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, और 9 तक कुल 10 अंकों का उपयोग होता है।
  - हैक्साडेसिमल संख्या पद्धति (Hexadecimal Number System) में बाइनरी अंकों को चार-बाइनरी समूहों में बदला जाता है।
- ASCII (American Standard Code for Information Interchange) प्रकार की कोडिंग में दशमलव संख्या को उसके बाइनरी रूप में परिभाषित किया जाता है।

- BCD (Binary Coded Decimal) प्रकार की कोडिंग में दशमलव संख्या के प्रत्येक अंक को 4 बाइनरी बिट में दर्शाया जाता है।

- EBCDIC (Extended Binary Coded Decimal Interchange Code) प्रकार की कोडिंग में दशमलव संख्या के प्रत्येक अंक को 8 बाइनरी बिट में दर्शाया जाता है।
- UNICODE (Universal Code) प्रकार की कोडिंग का उपयोग विश्व की विभिन्न भाषाओं में प्रयुक्त होने वाले प्रतीकों को समान प्रकार की कोडिंग प्रदान करने के लिए किया जाता है।

### संख्या परिवर्तन

- बाइनरी से दशमलव में बदलने के लिए बाइनरी संख्या के प्रत्येक अंक को उसके स्थानीक मान से गुणा करके जोड़ा जाता है।
- दशमलव से बाइनरी में बदलने के लिए दिए गए अंक को 2 से भाग देते हैं और शेषफल को उल्टा लिखते जाते हैं।

## 28 CHAPTER

# हिमाचल प्रदेश का सामान्य परिचय



### हिमाचल प्रदेश का गठन

- गठन: 15 अप्रैल, 1948
- गठन में सम्मिलित राज्य: 30 छोटी और बड़ी रियासतों का विलय करके गठित
- 1948–1951: हिमाचल प्रदेश एक मुख्य आयुक्त प्रांत था
- 1951–1956: संविधान लागू होने के बाद इसे राज्यों के वर्ग 'ग' में रखा गया
- 1956–1971: एक केंद्र शासित प्रदेश के रूप में कार्यरत
- 25 जनवरी, 1971: इसे पूर्ण राज्य का दर्जा प्रदान किया गया और अंततः यह भारत का 18वाँ राज्य बना

### सामान्य जानकारी:

- स्थापना तिथि: 25 जनवरी, 1971
- राजधानी: शिमला
- भौगोलिक क्षेत्रफल: 55,673 वर्ग किलोमीटर
  - ✓ भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल में योगदान: 1.7%
  - ✓ क्षेत्रफल के आधार पर रैंक: 29 राज्यों में 18वाँ स्थान (तेलंगाना राज्य के गठन के बाद)

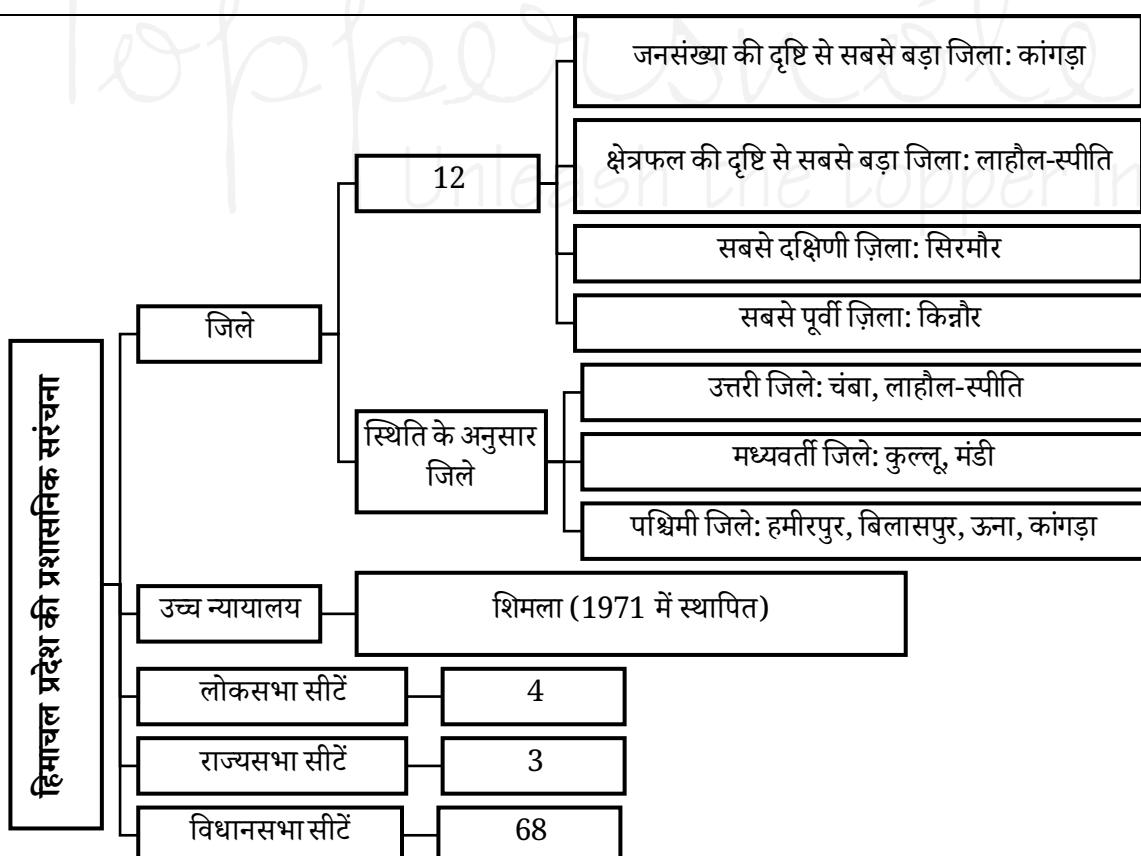
- अक्षांश:  $30^{\circ} 22'40''$  उत्तर से  $33^{\circ} 12'40''$  उत्तर
- देशांतर:  $75^{\circ} 45'55''$  पूर्व से  $79^{\circ} 04'20''$  पूर्व
- पड़ोसी देश: पूर्व दिशा में चीन
- राज्य दिवस: 15 अप्रैल (भारत में विलय का दिवस)
- भाषा:
  - ✓ आधिकारिक भाषा – हिंदी
  - ✓ अन्य भाषाएँ – पंजाबी, लाहौली, किन्नौरी, सिरमौरी, गोजरी, बिलासपुरी, पहाड़ी, डोगरी और कांगड़ी
- पड़ोसी राज्य:
  - ✓ उत्तर – जम्मू और कश्मीर
  - ✓ पश्चिम और दक्षिण पश्चिम – पंजाब
  - ✓ दक्षिण – हरियाणा
  - ✓ दक्षिण-पूर्व – उत्तराखण्ड
  - ✓ पूर्व – तिब्बत

### अन्य राज्यों और क्षेत्रों के साथ सीमा साझा करने वाले जिले:

- उत्तराखण्ड: किन्नौर, शिमला, सिरमौर
- उत्तर प्रदेश: सिरमौर (यमुना नदी इसकी सीमा बनाती है)
- पंजाब: ऊना, बिलासपुर, सोलन, सिरमौर
- जम्मू और कश्मीर: कांगड़ा, चंबा, लाहौल और स्पीति
- तिब्बत (चीन): किन्नौर, लाहौल और स्पीति

#### नोट:

- ✓ पंजाब राज्य की सीमा हिमाचल प्रदेश के सबसे ज्यादा जिलों (5 जिलों) से लगती है।
- ✓ हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा और मंडी जिलों की सीमा सबसे ज्यादा जिलों (प्रत्येक की 6 जिलों से) से लगती है जबकि चंबा और सिरमौर की सीमा सबसे कम जिलों (प्रत्येक की 2 जिलों से) से लगती है।



## राज्य के राजकीय प्रतीक:

राज्य प्रतीक	नाम	विवरण
राज्य पशु	हिम तेंदुआ	हिम तेंदुआ हिमाचल प्रदेश का राज्य पशु है। यह मध्य एवं दक्षिण एशिया के ऊँचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में पाया जाता है। यह प्रजाति IUCN द्वारा संकटग्रस्त (EN) श्रेणी में सूचीबद्ध है। इसके शरीर पर लम्बे, घने बाल होते हैं जो ठंडी जलवायु के अनुकूल बनाते हैं तथा इसका रंग धुँधला धूसर से हल्का पीला और नीचे की ओर फीका होता है।
राज्य पक्षी	जूजुराना / वेस्टर्न ट्रैगोपैन	जूजुराना, जिसे वेस्टर्न ट्रैगोपैन भी कहा जाता है, हिमाचल प्रदेश का राज्य पक्षी है। इसकी सुंदरता और घटती आबादी के कारण चुना गया। “पक्षियों के राजा” के नाम से प्रसिद्ध इस पक्षी को वर्ष 2007 में आधिकारिक रूप से राज्य पक्षी घोषित किया गया।
राज्य वृक्ष	देवदार	देवदार हिमाचल प्रदेश का राज्य वृक्ष है। इसका नाम संस्कृत शब्द देवदारु से निकला है, जिसका अर्थ है “देवताओं का वृक्ष।” इसकी लकड़ी अत्यंत मज़बूत होती है तथा स्वाभाविक रूप से कीटों, फफूंद एवं बैक्टीरिया से सुरक्षित रहती है जिसके कारण यह निर्माण कार्यों में अत्यधिक उपयोगी है।
राज्य पुष्प	गुलाबी रोडोडेंड्रॉन	गुलाबी रोडोडेंड्रॉन हिमाचल प्रदेश का राज्य पुष्प है। इसे इसके सुन्दर गुलाबी रंग के लिए जाना जाता है। IUCN के अनुसार यह एक संकटग्रस्त प्रजाति है और इसके संरक्षण की आवश्यकता है।

## हिमाचल प्रदेश में प्रथम:

श्रेणी	नाम / विवरण
प्रथम मुख्य आयुक्त	श्री एन. सी. मेहता
प्रथम उप मुख्य आयुक्त	श्री ई. पी. मून
प्रथम उपराज्यपाल	मेजर जनरल हिम्मत सिंह
प्रथम राज्यपाल	श्री एस. चक्रवर्ती
प्रथम महिला राज्यपाल	श्रीमती शीला कौल
प्रथम मुख्यमंत्री	डॉ. वाई. एस. परमार
प्रथम मुख्य न्यायाधीश	न्यायमूर्ति मिर्जा हमीदुल्लाह बेग
प्रथम महिला मुख्य न्यायाधीश	न्यायमूर्ति लीला सेठ
प्रथम विधानसभा अध्यक्ष	पंडित जयवंतराम
प्रथम महिला विधानसभा अध्यक्ष	श्रीमती विद्या स्टोक्स
प्रथम उपाध्यक्ष, विधानसभा	श्री कृष्ण चंद्र
प्रथम मुख्य सचिव	श्री के. एल. मेहता

प्रथम लोकायुक्त	न्यायमूर्ति टी. वी. आर. टाटाचारी
केंद्रीय मंत्रिमंडल में पहली महिला मंत्री (हिमाचल प्रदेश से)	राजकुमारी अमृत कौर (स्वास्थ्य मंत्री)
प्रथम राज्यसभा सदस्य	श्री चिरंजी लाल वर्मा
परम वीर चक्र के प्रथम विजेता (हिमाचल प्रदेश से)	मेजर सोमनाथ शर्मा
महावीर चक्र के प्रथम विजेता (हिमाचल प्रदेश से)	लेफ्टिनेंट कर्नल कमान सिंह
वीर चक्र के प्रथम विजेता (हिमाचल प्रदेश से)	हवलदार टोपगे
हिमाचल प्रदेश का प्रथम आईटी पार्क	मौजा मजहोल (वक्नाघाट)
हिमाचल प्रदेश से भारत के मुख्य न्यायाधीश बनने वाले प्रथम व्यक्ति	न्यायमूर्ति मेहर चंद महाजन
हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के प्रथम अध्यक्ष	लेफ्टिनेंट जनरल के. एस. कटोच